भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4496

जिसका उत्तर दिनांक 30.03.2022 को दिया जाना है

लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी भारत परियोजना का वित्त पोषण

4496. श्री हेमन्त तुकाराम गोडसे :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी (एलआईजीओ) भारत परियोजना के वित्त पोषण को मंजूरी दी गई है;

(ख) यदि हां, तो अब तक स्वीकृत राशि सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या प्रस्तावित परियोजना के तहत गुरूत्वाकर्षण तरंगों पर काम कर रहे अन्य देशों के साथ सहयोग करने की इच्छा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हां । भारत सरकार ने रूपए 1260 करोड़ की अनुमानित लागत पर लिगो-इंडिया परियोजना के लिए सिद्धांततः अनुमोदन प्रदान कर दिया है ।

(ख) सिद्धांततः अनुमोदन के तत्पश्चात्, परमाणु ऊर्जा विभाग ने निवेश-पूर्व गतिविधियों के लिए रूपए 75 करोड़ की मंजूरी दे दी है ।

(ग) जी, हां । भारत की लिगो-भारत परियोजना के अधीन गुरूत्वीय तरंग संसूचक के वैश्विक नेटवर्क के भाग के रूप में भारत में लिगो संसूचक स्थापित करने के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा नेशनल साइंस फाउंडेशन, यूएसए के बीच हस्ताक्षर किए गए समझौता ज्ञापन के अधीन संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) के साथ साझेदारी है ।

*****